कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर,कोरिया (छ०ग०)
Ph. : 07836- 232252, E-mail. pgcollege.bkp@gmail.com

दिनांक– 20 जनवरी 2017

–: सूचना :–

महाविद्यालय में अध्ययनरत नियमित समस्त छात्र/ छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 03 फरवरी 2017, प्रातः 11 बजे कक्ष क्र0 07 में शोध एवं शोध प्रक्रिया के विषय पर सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी छात्र/ छात्राएं एवं प्राध्यापकगण अनिवार्यतः उपस्थित रहे।

Co-ordinator
IQAC
Govt.R.P.S.Dev P.G.College
Baikunthpur,Korea (C.G.)

PRINCIPAL
Shaskiya Ramanuj Pratap Singhdeo
Snatakottar Mahavidyalaya,
Baikunthpur, Korea (C.G.)

–: संगोष्ठी प्रतिवेदन :–

(शोध एवं शोध प्रक्रिया)

आज दिनांक 03 फरवरी 2017 को प्रातः 11 बजे कक्ष क्र0 07 में महाविद्यालय में अध्ययनरत नियमित छात्र/ छात्राओं एवं प्रायापकों/ अतिथि व्याख्याताओं हेतु शोध एवं शोध प्रक्रिया विषय पर अर्न्तविषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता श्री डी0 के0 द्विवेदी (समाज शास्त्र गोल्ड मेडलिस्ट), शासकीय नवीन महाविद्यलय, पटना, जिला– कोरिया छ.ग. थे। श्री द्विवेदी ने केन्द्रीय विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि शोध किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत् गवेषणा करना होता है। शोध में वैज्ञानिक अनुशंधान एवं वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुए नए चीजों की खोज करने की कोशिश की जाती है। उन्होनें बताया कि शोध की प्रकृति वैज्ञानिक होती है और शोध का मुख्य लक्ष्य वैज्ञानिक निष्कर्षो की प्राप्ति, सामान्यीकरण तथा नियमों का प्रतिपादन करना होता है। शोध पद्धति के कई चरण होते है जिससे शोध कर्ता को गम्भीरतापूर्वक गुजरना होता है, क्योंकि सत्य तक पहुंचने के लिए किसी भी चीजों का गहराई से देखना आवश्यक होता है। उन्होनें बताया कि– शोध के विभिन्न चरण होते है और इस पर विभिन्न विद्वानों ने कार्य किया है।

श्री द्विवेदी ने बताया कि शोध की प्रक्रिया को अधिक गम्भीरता से समझने के लिए इसके सम्यक चरण, विषय की समस्या का चुनाव, संबंधित साहित्य का अध्ययन, इकाईयों का निर्धारण, प्राक्कलपना का निर्माण, अध्ययन क्षेत्र का निर्धारण, सूचना के स्रोतों एवं अध्ययन के उपकरणों एवं प्रविधियों का निर्धारण, उपकरणों एवं प्रविधियों का पूर्ण परीक्षण एवं सामान्यीकरण व नियमों का प्रतिपादन ये महत्वपूर्ण चरण होते है।

इस प्रकार श्री द्विवेदी ने शोध के संबंधित सभी पहलूओं को विस्तार से समझाया और छात्रों के शंकाओं का समाधान किया। अंत में संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 विजय प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र ने मुख्य वक्ता सहित सेमीनार में शामिल सभी प्राध्यापकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगोष्ठी को सभी के लिए उपयोगी बताते हुए संगोष्ठी के समापन की घोषणा की।

संयोजक

Co-ordinator
IQAC
Govt.R.P.S.Dev P.G.College
Baikunthpur,Korea (C.G.)

PRINCIPAL
Shaskiya Ramanuj Pratap Singhdeo
Snatakottar Mahavidyalaya,
Baikunthpur, Korea (C.G.)